पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

डॉ० राजेन्द्र प्रसाद संविधान के दीप स्तम्भ थे - राज्यपाल

लखनऊ: 03 दिसम्बर, 2014

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज डॉ० राजेन्द्र प्रसाद मेमोरियल सोसायटी लखनऊ द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में प्रथम राष्ट्रपति डॉ० राजेन्द्र प्रसाद की 130वीं जयन्ती पर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि स्व0 डॉ० राजेन्द्र प्रसाद राजनीति में संत थे। वे विद्वान, सरल एवं सात्विक व्यक्ति थे। राजेन्द्र बाबू ने संविधान सभा को चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनमें दूसरों की बात समझकर काम करने व सबको साथ लेकर चलने की अद्भुत प्रतिभा थी।

जयन्ती समारोह में विधान सभा अध्यक्ष, श्री माता प्रसाद पाण्डेय, सोसायटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री, श्री नरेश चन्द्रा, कुलपति, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, डॉ०रविकान्त, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, डॉ० एस0बी0 निम्से, पूर्व मंत्री स्वरूप कुमार बख्शी सहित स्वतंत्रता सेनानी व बड़ी संख्या में छात्र-छात्रायें भी उपस्थित थें।

श्री नाईक ने कहा कि डॉ०राजेन्द्र प्रसाद संविधान सभा के दीप स्तम्भ थे। देश का अच्छा नागरिक बनने का संकल्प उनके प्रति सच्ची श्रद्धाजंलि होगी। उन्होंने कहा कि देश को सही दिशा में ले जाने के लिये राजेन्द्र बाबू की आदर्शों को समाहित करने की आवश्यकता है।

विधान सभा अध्यक्ष, श्री माता प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि स्व0 राजेन्द्र प्रसाद मूर्घन्य विद्वान, तेजस्वी नेता व सादगी पसंद करने वाले इंसान थे। वे महात्मा गांधी से बहुत प्रभावित थे। उन्होंने कहा कि स्व0 राजेन्द्र बाबू देश सेवा के प्रति समर्पित थे और हमे उनके आदर्शों से प्रेरणा प्राप्त करने की जरूरत है।

श्री नरेश चन्द्रा, अध्यक्ष डॉ० राजेन्द्र प्रसाद मेमोरियल सोसायटी ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया तथा सोसायटी का संक्षिप्त परिचय दिया। कार्यक्रम में कुलपति, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय डॉ० रविकान्त, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, डॉ० एस0बी0 निम्से सहित अन्य लोगों ने भी सम्बोधित किया।

भारत के प्रथम राष्ट्रपति
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
की 130 वीं जयन्ती समारोह
बुधवार, 3 दिसम्बर 2014
मालवीय सभागार, लखनऊ विश्वविद्यालय

CHEMISTRY
BOTANY